Shinde): (a) and (b). The proposal to set up a Central Staff College in India during the Fourth Five Year Plan has been agreed upon in principle but the details of the project are still under examination.

Area covered by Cash Crops

19. Shrimati Savitri Nigam:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:

Will the Minister of **Food, Agriculture, Community Development and Cooperation** be pleased to state:

(a) whether Government have made any survey to determine as to how much new area has been covered by the cash crops during the last one year in different States; and

(b) if so, the details thereof, State-wise?

The Deputy Minister of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Shinde): (a) and (b). Statistics of area under cash crops become available when the Final Estimates of the crops are issued. There is no provision in the existing system of collection of statistics to determine how much of the area is new and how much is old.

Central Advisory Council of Ship-building and Ship-repairing

20. Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Hansda:
Shri P. C. Borooah:
Shri M. L. Dwivedi:
Shri Bhagwat Jha Azad:

Will the Minister of **Transport, Aviation, Shipping and Tourism** be pleased to state:

(a) whether the Central Advisory Council on ship-building and ship-repairing is functioning;

(b) if so, its personnel;

(c) how many meetings of the Council have been held since its formation; and

(d) the subjects discussed there at and the recommendations made to Government?

The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy): (a) Yes Sir.

(b) A list of the members of the Council is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-5429/66].

(c) Only one meeting of the Council has been held so far.

(d) The Council discussed in general the problems confronting the ship-building and ship-repairing industries and particularly the shortage of essential raw materials and equipment.

The Council has made the following recommendations to Government:

(i) A ship designs Centre should be established as soon as possible.

(ii) Government should try to persuade the Port Authorities at Calcutta and Visakhapatnam to earmark repair berths.

मरमोगोआ पत्तन

21. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री लिंग रेड्डी :

क्या परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मरमगोआ पत्तन का विकास करने के लिये कोई कार्यक्रम बनाया गया है;

(ख) यदि हां, तो वह कार्यक्रम कब तक पूरा हो जायेगा; और

(ग) क्या इस काम के लिये कोई राशि नियत की गई है ?

परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री (श्री संजीव रेड्डी) : (क) जी हां। मरमोगोआ पत्तन को लगभग 400 टन

प्रति घंटे की दर से 45000 कुल टन भार और 38 फीट डुबाव के जहाजों पर मुख्यत: कच्चा लोहा लादने के लिये विकसित किया जायेगा। प्रथमत: इस में लगभग 80 लाख टन की वार्षिक मात्रा का धरना उठाना किया जायेगा।

(ख) इस काम में लगभग तीन वर्ष लगेंगे ।

(ग) चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में मुख्य पत्तनों के लिये आवश्यक व्यवस्था की जा रही है और इसे अन्तिम रूप दिया जा रहा है। इस बीच मारमोगोआ पत्तन के विकास के लिये 1966–67 के लिये योजना में 100 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है ।

खाद्य उत्पादन सम्बन्धी संयुक्त कार्यक्रम

22. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पंजाब तथा राजस्थान से खाद्य उत्पादन के सम्बन्ध में कोई संयुक्त कार्यक्रम का प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ है और क्या सरकार ने उस पर विचार कर लिया है ;

(ख) क्या संबंधित राज्यों के मुख्य मंत्रियों और खाद्य मंत्रियों में इस बारे में विचार विमर्श किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उस का क्या परिणाम निकला है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शिन्डे) : (क) से (ग). इस मंत्रालय को पंजाब तथा राजस्थान से खाद्य उत्पादन के सम्बन्ध में किसी संयुक्त कार्यक्रम के प्रस्ताव के बारे में जानकारी नहीं है, और न इस बात की जानकारी है कि इस विषय पर सम्बन्धित राज्यों के मुख्य मंत्रियों तथा खाद्य मंत्रियों में विचार-विमर्श हुआ ।

लम्बी विमान यात्रा

25. **श्री द्वा० ना० तिवारी :** क्या परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान अमरीकी संघानीय उड्डयन अभिकरण द्वारा की गई इस गवेषणा की ओर दिलाया गया है, कि लम्बी हवाई यात्रा करने के पश्चात् यात्री 24 घंटों तक मानसिक असंतुलन तथा अस्त-व्यस्तता अनुभव करते हैं और तीन से लेकर पांच दिनों तक शारीरिक कार्यों में असामान्यता अनुभव करते हैं;

(ख) क्या सरकार को मालम है कि ऐसा समझा जाता है कि अमरीका सरकार अपने राजनयिक प्रतिनिधियों को विदेशों में महत्वपूर्ण बातचीत आरम्भ करने से पूर्व 24 घंटे तक विश्राम करने के आदेश देने का विचार कर रही है; और

(ग) क्या सरकार ने यहां भी ऐसी कोई गवेषणा कारवाई की है, और यदि हां, तो उस के क्या परिणाम निकले हैं ?

परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री (श्री संजीव रेड्डी) : (क) और (ख). लम्बी दूरी की उड़ानों पर, जिन पर टाइम साइकिल बेजेज का प्रश्न उठता है, विमान कर्मीदल में और यात्रियों में हुए मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों के बारे में यू० एस० ए० सहित कुछ पश्चिमी देशों द्वारा की गयी गवेषणा के बारे में सरकार परिचित है । वह प्रेस रिपोर्ट सरकार की नोटिस में भी आ गई है जिस के अनुसार यू० एस० ए० के स्टेट डिपार्टमेंट से, अपने राजनयिकों को विदेशों में महत्वपूर्ण बातचीत करने से पहले कम से कम एक दिन